राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–pr.rajbhavan@gmail.com
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9798431468

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–59/2022

देश के उत्थान में कृषि एवं कृषकों की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण–राज्यपाल

पटना, 30 मार्च, 2022 :– महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर द्वारा बामेती परिसर, पटना में आयोजित दो दिवसीय किसान मेला–सह–प्रदर्शनी के समापन समारोह कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत में कृषि प्रक्षेत्र में सर्वाधिक लोगों को रोजगार प्राप्त है तथा देश के उत्थान में कृषि एवं कृषकों की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण रही है। राज्यपाल ने कृषि उत्पादों के विपणन की उपयुक्त व्यवस्था की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि इससे आर्थिक समृद्धि बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि पशुपालन के क्षेत्र में भी काफी संभावनाएँ हैं और इसके विकास से देश एवं बिहार की उन्नति होगी।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार के जर्दालू आम, कतरनी धान, मगही पान एवं शाही लीची को वैश्विक सूचक प्राप्त होना राज्य के लिए गौरव का विषय है।

उन्होंने कहा कि इस किसान मेले के माध्यम से भारत सरकार द्वारा बिहार के प्रत्येक जिले के लिए एक–एक कृषि उत्पाद को चिह्नित किया गया है और बिहार कृषि विश्वविद्यालय ने इन उत्पादों के प्रोत्साहन, भंडारण, विपणन आदि के लिए उन्नत तकनीकों का प्रदर्शन इस कार्यक्रम में किया है।

राज्यपाल ने कहा कि इस किसान मेले में पशु प्रदर्शनी के आयोजन से हमारे किसान भाइयों एवं बहनों को प्रोत्साहन मिलेगा और वे अपने कार्यों में विशेष रूचि लेंगे। बिहार राज्य के लिए छोटे पशु जैसे– बकरी, भेड़, खरगोश आदि का पालन सीमांत तथा भूमिहीन किसानों की आर्थिक उन्नति का एक महत्वपूर्ण साधन है। इसी प्रकार मुर्गी एवं बत्तख के पालन से हमारे किसानों, विशेष रूप से महिला किसानों को लाभ प्राप्त हो रहा है।

उन्होंने कहा कि किसानों के परिश्रम एवं सहयोग से बिहार ने कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है और इस राज्य को 05 (पाँच) बार देश के सर्वोच्च कृषि सम्मान– 'कृषि कर्मण पुरस्कार' प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं में शामिल होकर किसानों ने धान, गेहूँ, मक्का, दलहन एवं तेलहन सहित अन्य फसलों के अनाज तथा बीज उत्पादन में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है।

आगे पृष्ठ...2 पर

राज्यपाल ने कहा कि बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर ने इस प्रदेश के अन्नदाता किसानों की आमदनी बढ़ाने तथा ग्रामीण आजीविका में सुधार एवं सुरक्षा के लिए नई तकनीकों को विकसित करके युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित किया है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय बिहार के सभी नागरिकों की पोषण सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए प्रयत्नशील है। इस विश्वविद्यालय ने कोविड–19 जैसी महामारी के दौरान घर वापस आने वाले लोगों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर उनका कौशल उन्नयन किया है, जिससे उन्हें स्थानीय स्तर पर भी रोजगार प्राप्त हो सका।

राज्यपाल ने पशु एवं दुग्ध उत्पाद प्रदर्शनी तथा किसान मेला में लगे स्टॉल का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कृषि साहित्यों का लोकार्पण किया तथा डॉ० सीमा कुमारी को सर्वश्रेष्ठ प्रसार वैज्ञानिक के पुरस्कार से सम्मानित किया।

समारोह को बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर के कुलपति डॉ० अरूण कुमार, बिहार के पूर्व कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सुनील कुमार सिंह, आई०सी०ए०आर०, ए०टी०ए०आर०आई० के निदेशक डॉ० अंजनी कुमार ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री रॉबर्ट एल० चोंग्थू, कृषि वैज्ञानिकगण, किसान भाई–बहन एवं अन्य लोग भी उपस्थित थे।

.....